MATTERS UNDER RULE 377

16.37 hrs

(i) Inconvenience caused to public after conversion of certain Railway Lines into Broad Gauge in N.E. Railway.

श्री असकाक हुसैन (महाराजगंज) : पूर्व उत्तर रेलवे में आमान परिवर्तन के जरिए गोरखपुर से हावड़ा (कलकत्ता) और गोरखपुर से लखनऊ तक सीधी गाड़ियां चलने लगी हैं इस के लिए रेल मंत्री, रेल महकमे और रेल के सभी स्थायी और कैजुअल कर्मचारी बधाई के पात्र। हैं लेकिन समुचित व्यवस्था और दूरगामी नियोजन के अभाव में यह आमान परिवर्तन मजाक और असुविधा का कारण बन गया है। हावड़ा को जाने वाली वह रेलगाड़ी जिसकी झंडी रेल मंत्री जी ने 8 अगस्त को दिखाई थी 12 अगस्त तक गोरखपुर नहीं लौट पायी। गोरखपुर से लखनऊ को जाने वाली लिंक एक्सप्रेस रोज अब्बल से ही गोरखपुर और लखनऊ से डेढ़ घंटा और 2 घंटा लेट छूट रही है । वजह यह है कि गाड़ियां तो चला दी गयीं लेकिन उनकी व्यवस्थित ढंग से चलने के लिए दूरगामी प्लानिंग नहीं की गयी। इंजन और सवारी डिब्बों की व्यवस्था नहीं की गयी । जरूरत के मुताबिक बड़ी लाइन के इंजन शैड नहीं बनाये गए। गोरखपुर, भटनी और लखनऊ के रेलवे स्टेशनों पर प्लेट-फार्म तक की व्यवस्था नहीं की गयी। पूर्व उत्तर रेलवे की इस परिवर्तित लाइन पर मंगनी के इंजन और मंगनी के डिब्बों से काम चलाया जा रहा है और मंगनी में इसे घटिया इंजन और डिब्बे मुश्किल से मिल पाये हैं। अव्यवस्था के कारण पूर्व उत्तर रेलवे के लाइन के कर्मचारी इंजन-ड्राइवर, गार्ड, टी० सी० वगैरह बेकार कर दिए गए हैं।

आमान परिवर्तन के कारण केन्द्रीय ट्रैफिक कन्ट्रोल व्यवस्था तोड़ दी गयी है इसको फिर से दुरुस्त करने में कितना समय लगेगा इसके बारे में कोई स्पष्ट संकेत नहीं मिल रहा है।

आमान परिवर्तन के बाद बाकी बची छोटी लाइन तो बिल्कुल बिना मां-बाप की हो कर रह गयी है । गाड़ियों के आने जाने का कोई निश्चित समय रह ही नहीं गया है। आमान परिवर्तन के बाद छोटी लाइन के रेक और इंजन खाली हो गये हैं और इन लाइनों पर और गाड़िया चलाने की आवश्यकता है । आमान परिवर्तन के कारण गाड़ियां जो जो बन्द की गयीं थीं वह फिर से चलायी नहीं जा रही हैं। गोरखपुर –छितौनी और गोरखपुर-नौतनवा लाइन की जनता इन लाइनों पर पहले से चलने वाली गाड़ियों को फिर से चलाने और नई गाड़ियां चलाने की मांग कर रही है।

इसलिए रेल मंत्री से मैं इस सदन के द्वारा निवेदन करूंगा कि 8 अगस्त को गोरखपुर में झंडी दिखाने के बाद से उनकी जिम्मेदारी और बढ़ गई है। आमान परिवर्तन की कठिनाइयों पर काबू पाने के लिए अधिकारियों को सचेत करें ताकि परिवर्तित और अपरिवर्तित दोनों रेलगाड़ियां व्यवस्थित ढंग से चल सकें। मौजूदा छोटी लाइन की तरफ भी विशेष ध्यान दें। कैजुअल मजदूरों को काम पर लगाने की जिम्मेदारी ले वरना कैजुअल मजदूर और साधारण रेल यात्री इस आमान परिवर्तन को रेल महकमे के ईमान परिवर्तन के नाम से याद करेगा।

(ii) NEED TO RELEASE ALLOTTED FENDS FOR THE SECOND HOOGHLY BRIDGE PROJECT.

SHRI AJIT BAG (Serampore): Sir, due to small allocation of funds by the Central Government not only the execution of the Second Hooghly Bridge Project is being delayed but the project cost too has mounted to an astronomical figure over the years. Already the construction cost according to revised estimates has seared to Rs. 142 crores as against the original estimates of about Rs. 57 crores. The Government of West Bengal asked for Rs. 25